

प्रदेश के राज्यपाल की ओर से
गया है। पहला पक्ष झरि
चलकर पहुँचकर कहा गया है।

पंचिका नं. 11
कमला गमरी - 11 पहिले सिराना डिक अन्वर्गन
सोड नम्बर 64 सेवक नं. 2 सोडर कार्त से उपर
ग्राम सिखान री-इस्टर रुर सिव्य रिधनी गणपत
सार्थी नं. 80 30 324 गार उडरगरी सवकनानी विच ही गोन र्गन
गारवालय गड फरम्य धार 4 के पी० ओ० निवासी ग्राम रेडुरव यही
डिधनी रवाना

नोट: उल्लिखित प्रकृषा दिने जोग के प्रयोग के डिक रिधनी
अपि यवनी - चकरो के चकव रंग से दिखाने
सोड-सोड के री वकिसाने प्रकी चकिसानी से-वकिस
सोडर के दिने गले है

- 1- सोडर के - सोडर नं. 140
- 2- प्रकृषा - सोडर नं. 140
- 3- प्रकृषा के - सोडर नं. 140
- 4- वकिसाने के - सोडर नं. 140



पंचिका नं. 11
कमला गमरी - 11 पहिले सिराना डिक अन्वर्गन
सोड नम्बर 64 सेवक नं. 2 सोडर कार्त से उपर
ग्राम सिखान री-इस्टर रुर सिव्य रिधनी गणपत
सार्थी नं. 80 30 324 गार उडरगरी सवकनानी विच ही गोन र्गन
गारवालय गड फरम्य धार 4 के पी० ओ० निवासी ग्राम रेडुरव यही
डिधनी रवाना

पंचिका नं. 11
कमला गमरी - 11 पहिले सिराना डिक अन्वर्गन
सोड नम्बर 64 सेवक नं. 2 सोडर कार्त से उपर
ग्राम सिखान री-इस्टर रुर सिव्य रिधनी गणपत
सार्थी नं. 80 30 324 गार उडरगरी सवकनानी विच ही गोन र्गन
गारवालय गड फरम्य धार 4 के पी० ओ० निवासी ग्राम रेडुरव यही
डिधनी रवाना

दस्तावेज नं. ४५५ सन् १९६६ के
साथ बंधन रखिली पेश हुई।
सं. १९६६
१९६६

प्राथमिक प्रतिलिपि
नं. १९६६
१९६६